मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

# MVS–012

## वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

## (पी. जी. डी. वी. एस.)

## सत्रांत परीक्षा

## जून, 2026

## एम.वी.एस.-012 : ग्रहपिण्ड विचार एवं ग्रहारम्भ

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

### खण्ड—अ

***निर्देश :*** *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $3 \times 20 = 60$

1. वर्ण-रस-गन्ध-प्लवत्वादि के आधार पर भूमि के शुभाशुभत्व पर निबन्ध लिखिए।

2. पिण्ड–साधन के प्रमुख अवयवों का विस्तृत परिचय दीजिए।

3. नृपादि गृह प्रमाण विचार पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

4. गृह निर्माणार्थ काष्ठ एवं इष्टिकादि विचार पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

5. गृहारम्भ में वृषभ वास्तु चक्रशुद्धि एवं मासादि विचार पर निबन्ध लिखिए।

6. गृहारम्भ लग्न के अनुसार विविध योगों का वर्णन कीजिए।

## खण्ड—ख

***निर्देश :*** *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $4 \times 10 = 40$

7. शिलान्यास विधि पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

8. गृहारम्भ में पञ्चाङ्ग शुद्धि पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

9. देवालय निर्माण में राहु मुख पुच्छ विचार का वर्णन करते हुए खात दिशा का निर्धारण कीजिए।

10. काष्ठ संग्रह विधि एवं काल के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

11. वास्तुपद के देवताओं के नाम लिखिए।

12. शल्य ज्ञान की विधि पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

13. गर्त एवं दीप के माध्यम से भूमि परीक्षण की व्याख्या कीजिए।

14. वृद्धि एवं कटाव के अनुसार शुभाशुभ भूमि को प्रदर्शित कीजिए।

× × × × ×